केंद्रीय विद्यालय संगठन

आंचलिक शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, सिद्धार्थ नगर, मैसूर

उच्चस्तरीय चिन्तन कौशल से संबंधित प्रश्न

विषय– हिन्दी ,कोर्स 'अ' **कक्षा–दसवीं**

पाठ्यक्रम

खण्ड-;ख) – सम्पूर्ण

खण्ड-;ग) – सम्पूर्ण

खण्ड-;घ) – क्षितिज भाग–2 ए कृतिका भाग–2ए

खण्ड (ख)

1. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निबंध लिखिए –

1) कंप्यूटर और टी. वी ने आप के जीवन को प्रभावित किया है । उस का प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों है । दोनो पक्षों का विवरण देते हुए नकारात्मक प्रभाव से बचने के लिए सुझाव दीजिए ।

2) कल्पना कीजिए कि आपकी एक करोड़ रूपए की लाटरी निकल आई है, आपको उस अवसर पर क्या अनुभूति होगी ? आप उस राशि का क्या करेंगे ?

3) केवल आलसी व्यक्ति ही दैव–दैव पुकारते हैं और भाग्य के भरोसे रहते हैं। परिश्रमी व्यक्ति विघ्न – बाधाओं से बचता है, वही व्यक्ति अपने भग्य का निर्माण करता है । काव्यात्मक उदाहरण देते हुए अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

4) आपने हाल में ही कोऍ फिल्म देखी होगी । वह फिल्म आपको कैसी लगी ? उसके कथानक . घटनाएँ, दृश्य, पात्र और संवाद कैसे लगे ? उस फिल्म की कौन– सी बात वास्तविक जीवन के निकट है? आपको उससे क्या प्रेरणा मिली ?

5) महात्मा गाँधी जी ने कहा , "यदि हम एक पुरूष को शिक्षित करतें हैं, तो केवल उसी को शिक्षित करते हैं, पर जब एक स्त्री को शिक्षित करते हैं तो पूरा परिवार शिक्षित हो जाता है ।" इस परिप्रेक्ष्य में देश के विकास में शिक्षित स्त्री के योगदान पर विचार व्यक्त कीजिए ।

6) पड़ोसी के सुख–दुख में हमारा सहयोग होता है, वह– नाते रिश्तेदारों से अधिक निकट होता है । क्या आपका पड़ोसी आपका सहयोगी है ? यदि नहीं है तो क्यों? पड़ोसी से मधुर संबंध बनाने के लिए आप क्या उपाय करेंगे ?

7) " परहित सरिस धर्म नहीं भाई " गोस्वामी तुलसीदास के वचन आज भी प्रासंगिक है , वर्तमान समय में इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डालिए ।

8) प्रकृति को हरा– भरा रखना अत्यंत आवश्यक है । इसके लिए वृक्षारोपण अनिवार्य है । पर्यावरण – प्रदूषण को रोकने के लिए वृक्ष बहुत सहायक है । वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालिए ।

9) वर्तमान युग में सर्वत्र विज्ञापनों की होड़ है । उपभोक्तावादी संस्कृति ने विज्ञापनों को बहुत बढ़ावा दिया है। विज्ञापन के सभी पक्षों पर विचार करते हुए एक निबंध लिखिए ।

10) सुंदरगढ़ एक सुंदर और भरा–पूरा गाँव था । जो प्राकृतिक सौंदर्य एवं सुख–सुविधा से युक्त कई परिवारों से भरा था । भूकंप ने इसे नष्ट कर दिया । इस गाँव की व्यथा का वर्णन आत्मकथात्मक शैली में कीजिए ।

2. पत्र लेखन (औपचारिक/अनौपचारिक)

1. आपका नवयुवक मंडल अपने मुहल्ले के पार्क की देखभाल स्वयं करना चाहता है। इसकी अनुमति के लिए उद्यान विभाग के निदेशक को पत्र लिखो।

2. राज्य परिवहन निगम के मुख्य प्रबंधक को पत्र लिखकर एक बस चालक के प्रशंसनीय व्यवहार की प्रशंसा करते हुए उसे विभाग की ओर से सम्मानित करने का आग्रह करें।

3. निकट के प्रार्थना पूजाघरों, धार्मिक स्थानों में लाउडस्पीकरों के मनमाने प्रयोग से होने वाली परेशानियों का उल्लेख करते हुए थानाध्यक्ष को पत्र लिखो।

4. आपके पुस्तकालय में पर्याप्त हिंदी पत्र–पत्रिकाएँ नहीं मँगाई जाती और घर पढ़ने के लिए पुस्तकें भी नहीं दी जाती। इसकी शिकायत करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखो।

5. उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक को एक पत्र लिखिए जिसमें टिकट निरीक्षक के अभद्र व्यवहार की शिकायत की गई हो।

पत्र (अनौपचारिक)

1. वसुंधरा (गाजियाबाद) निवासी लिखिल गुप्ता की ओर से एक पत्र उनके मित्र अभिनव शर्मा को लिखिए, जिसमें दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में प्रवेश पाने में मिली सफलता पर उसे बधाई दी गई।

2

2. विद्यालय में नियमित उपस्थिति रहने और परीक्षा की तैयारी भली–भाँति करते रहने की सलाह देते हुए छोटे भाई को पत्र लिखो।

3. वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर छोटी बहन को पत्र लिखो।

4. आप पर्यटन के लिए शिमला गए थे। वहीं एक स्थानीय छात्र से आपका परिचय हुआ। उसकी सहायता से पर्यटन अविस्मरणीय बन गया। उसे एक धन्यवाद पत्र लिखो।

5. परीक्षा में कम अंक प्राप्त करने पर असंतुष्ट और दुखी मित्र को सांत्वना भरा पत्र लिखो।

3. क्रिया

क्रिया – भेद : अकर्मक/सकर्मक, मुख्य क्रिया, सहायक क्रिया, संयुक्त क्रिया

1. 'वह पढ़ रहा है' वाक्य में प्रयुक्त क्रिया को सकर्मक क्रिया में बदलिए।
2. माली पौधों से फूल तोड़ रहा है – मैं प्रयुक्त क्रिया का कर्म के आधार पर भेद बताइए।
3. सुनीता झूला झूल रही है – वाक्य में क्रिया पद पहचानकर उसका प्रकार भी लिखिए।
4. मैंने मोहन को दवा पिलाई – वाक्य में प्रयुक्त क्रिया को अकर्मक क्रिया में बदलिए।
5. 'कमल सोच रहा है' – वाक्य में क्रिया पद और उसका प्रकार लिखिए।
6. प्रेरणार्थक क्रिया का एक उदाहरण – वाक्य लिखिए।
7. निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त क्रिया को प्रेरणार्थक क्रिया में बदलिए – अध्यापक पाठ पढ़वाता है।
8. 'शौला नौकर से कपड़े धुलवाती है।' वाक्य को एककर्मक क्रिया में बदलकर लिखिए।
9. 'पुलिस का भारी बंदोबस्त किया जा रहा है।' वाक्य में प्रयुक्त क्रिया को बदलकर दो वाक्य लिखिए।
10. 'ससंद में बजट प्रस्तुत किया गया' वाक्य में क्रिया शब्द पहचानकर उसका नाम भी लिखिए।

4 विशेषण

विशेषण की रचना

प्र01. निम्नलिखित संज्ञाओं से विशेषण बनाइए जैसे –

उदहारण वर्ष – वार्षिक

संज्ञा – विशेषण

भूख –

करूणा –

सुरभि –

फेन –

कुल –

बुद्धि –

नीति –

ईर्ष्या –

श्री –

पक्ष –

प्र02. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित सर्वनाम शब्द को विशेषण रूप में वाक्य परिवर्तन कीजिए –

उदाहरण – <u>यह</u> मेरा घर है।

<u>ऐसा</u> मेरा घर है।

1- <u>जो</u> करेगा, <u>सो</u> भरेगा।
2- <u>अहं</u> व्यक्ति को खोखला कर देता है।

प्र03. सर्वनाम शब्द से विशेषण बनाइए –

उदाहरण – आप – आप सा

सर्वनाम		**विशेषण**
मैं	–	
वह	–	
तुम	–	
कौन	–	
तू	–	

यह –

उस –

प्र04. क्रिया शब्दों से विशेषण बनाइए –

उदाहरण – चलना – चालू

क्रिया – विशेषण

बेचना –

कमाना –

भूलना –

कमाना –

लड़ना –

दिखाना –

पढ़ना –

घूमना –

उड़ना –

भागना –

प्र05. अव्यय शब्दों से विशेषण बनाते हुए वाक्य परिवर्तन कीजिए – (रेखांकित शब्दों के)

उदाहरण – वह <u>आगे</u> पंक्ति में बैठा है।

वह <u>अगली</u> पंक्ति में बैठा है।

(1) मैं <u>बाहर</u> के दरवाजे से गया।

(2) वह <u>अन्दर</u> की बातों को जानता है।

(3) मैं <u>पीछे</u> की सीट पर बैठा था।

(4) राम <u>नीचे</u> की सीढ़ियों पर खड़ा है।

(5) उसने <u>ऊपर</u> की मंजिल से छलांग लगाई।

प्र06. रेखांकित विशेषण का संज्ञा के रूप प्रयोग कीजिए –

उदाहरण विशेषण – ईमानदार कर्मचारियों की कोई कमी नहीं।

संज्ञा – ईमानदारों की कमी नहीं।

(1) अमीर लोग सहायता करे।

(2) कोई गरीब जनता की भी सुनेगा।

(3) शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई।

प्र07. सार्वनामिक विशेषण के चार उदाहरण दीजिए।

प्र08. निम्नलिखित वाक्यों में से प्रविशेषण चुनिए –

(1) रमा बड़ी चतुर है।

(2) यह समस्या अत्यन्त जटिल है।

(3) यह पुस्तक बहुत छोटी है।

(4) थोड़ा तेज़ चलो।

(5) वह लड़की बहुत सुन्दर है।

प्र09. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त विशेषण शब्द को चुनिए तथा उसका भेद भी लिखिए –

(1) लगता है कोई लड़का आया है।

(2) तुमसे कौन लड़की बोलेगी ?

(3) कुछ लोग बाहर खड़े हैं।

(4) मेरे पास दस केले हैं।

(5) पाण्डव पाँच थे और कौरव सौ।

प्र010. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषणों का प्रयोग कीजिए –

(1) ..... लड़की खाना खाती हैं।

(2) ..... पुस्तक किसकी है ?

(3) औरत ..... फूल तोड़ रही है।

(4) ..... कुत्ता आ रहा है।

(5) ..... काम पड़ा है।

5 क्रिया विशेषण

प्र01. क्रिया–विशेषण छाँट कर उसका भेद लिखिए –

(क) वह धीरे–धीरे बोलता है। (ख) हम आपको भली–भांति जानते हैं।

(ग) बच्चा बहुत रोया। (घ) अचानक वर्षा होने लगी।

(ङ) रीता छत पर बैठी है। (च) अरे ! तुम यहाँ हो।

(छ) बस तेज़ी से निकल गई। (ज) कम खाओ।

(झ) सदा सत्य बोलो। (ञ) गीता अचानक रो पड़ी।

प्र02. निम्नलिखित वाक्यों में से रीतिवाचक क्रिया–विशेषण छाँटिए –

(क) मेंढक ज़ोर से टर्राने लगे। (ख) वह बिल्कुल ठीक था।

(ग) मोहन यहाँ कैसा आया ? (घ) राम कार तेज़ चलाता है।

(ङ) मीना ध्यानपूर्वक पढ़ती है। (च) तुम सरासर झूठ बोल रहे हो।

(छ) तुम कदापि असत्य नहीं बोल सकते।

(ज) बच्चा सहसा रो पड़ा।

प्र03. निम्नलिखित वाक्यों में से स्थानवाचक क्रिया–विशेषण छाँटिए –

(क) श्रीमान, आप यहाँ बैठिए। (ख) पिता जी, बाहर गए हुए हैं।

(ग) तुम इधर–उधर क्यों झाँक रहे हो ? (घ) राधा अपने कक्षा–कक्ष में बैठी है।

(ङ) ईश्वर सर्वत्र व्याप्त है। (च) राजन भीतर आ जाओ।

(छ) सड़क पर सदा बाईं ओर चलो। (ज) पानी उस तरफ बह रहा है।

(झ) जहाँ भी रहो, खुश रहो। (ञ) स्कूल के निकट शिव मंदिर है।

प्र04. निम्नलिखित वाक्यों में कालवाचक क्रिया–विशेषण छाँटिए –

(क) हम सभी कल भ्रमण के लिए धर्मशाला गए थे।

(ख) पिता जी कल आ रहे हैं। (ग) सदा सत्य बोलो।

(घ) गीतिका प्रतिदिन स्कूल जाती है। (ङ) समाचार पत्र प्रतिदिन पढ़ा करो।

प्र05. निम्नलिखित वाक्यों में से परिमाणवाचक क्रिया–विशेषण छाँटिए –

(क) जितना परिश्रम करोगे, उतना फल पाओगे।

(ख) थोड़ा–थोड़ा करके याद करो, एक साथ नहीं।

(ग) कश्मीर में चावल अधिक खाया जाता है।

(घ) थोड़ा घूमा करो।

(ङ) महेन्द्र धोनी बहुत दूध पीता है।

प्र06. रिक्त–स्थानों की पूर्ति क्रिया–विशेषण से कीजिए –

(क) ..... मैं एक पुस्तक लिख रहा हूँ।

(ख) चलो, ... चलें।

(ग) ..... प्रातः भ्रमण कीजिए।

(घ) आशा है आप ..... रह रहे हैं।

(ङ) पहाड़ी के ..... एक गहरा नाला बह रहा है।

क्रिया–विशेषण

उदाहरण –

1. धीरे–धीरे कुछ लोग हमारी तरफ आ गए।
   धीरे–धीरे – रीतिवाचक क्रिया विशेषण (अव्यय)

   'आ गए' क्रिया की रीति बता रहा है।

2- सोहन <u>यहाँ</u> दसवीं कक्षा में पढ़ता था।
   यहाँ – स्थान वाचक क्रिया विशेषण 'पढ़ता था' क्रिया का निर्देश।

3- <u>कल</u> हमने ताजमहल देखा।
   कल – काल वाचक क्रिया विशेषण। 'देखा' क्रिया के काल का निर्देश

4- बच्चे ने दूध <u>थोडा</u> पिया।
   थोड़ा – परिमाण वाचक क्रिया विशेषण। 'पिया' क्रिया की मात्रा का निर्देश।

अभ्यास कार्य –

1- मैं प्रातः <u>धीरे–धीरे</u> चलता हूँ।
2- शीत ऋतु में हिमालय का क्षेत्र <u>पूर्णतया</u> बर्फ से ढक जाता है।
3- <u>भाग कर</u> जाओ और बाजार से कुछ तो लाओ।
4- वह <u>नित्य</u> घूमने जाता है।
5- वह मेरी बात पर <u>बहुत</u> हँसा।
6- अधिक वर्षा से जन जीवन <u>अस्त–व्यस्त</u> हो गया।
7- उसने <u>अच्छा</u> गाया।
8- अब <u>कुछ</u> पढ़ लो।

9- सब लड़के साथ खेलते हैं।
10- वह बहुत हँसा।
11.

6 पद परिचय –

संज्ञा – पद–परिचय के उदाहरण

1- हमने ताजमहल देखा

पद	ताजमहल
संज्ञा भेद	व्यक्तिवाचक संज्ञा
लिंग	पुल्लिंग
वचन	एकवचन
कारक	कर्म कारक
क्रिया के साथ संबंध	'देखा' क्रिया का कर्म

2- उपवन में फूल खिलते हैं।

पद	उपवन
संज्ञा भेद	जातिवाचक संज्ञा
लिंग	पुल्लिंग
वचन	एकवचन
कारक	अधिकरण
क्रिया के साथ संबंध	–

प्रश्न –

1- सोहन दसवीं कक्षा में पढ़ता है।
2- घंटी बजी, बच्चे आए।
3- परिश्रम के बिना सफलता प्राप्त नहीं होती।
4- ईमानदारी बड़ी दुर्लभ वस्तु है।
5- योग्य पिता की संतान भी योग्य होती है।
6- महकता गुलाब सबको अच्छा लगता है
7- बाजार से कुछ लाओ।
8- लंका के राजा रावण ने सीता को चुराया
9- वह विश्वास के योग्य नहीं है।
10- व्यक्ति कठोर परिश्रम करता है।

सर्वनाम–पद परिचय का उदाहरण

1- वह चित्र देखता है।

पद	वह

सर्वनाम भेद	पुरूषवाचक सर्वनाम
पुरूष	अन्य पुरूष
लिंग	पुल्लिंग
वचन	एकवचन
कारक	कर्ता कारक
क्रिया के साथ संबंध	'देखता है' क्रिया का कर्ता

2- जो अपनी बात को नहीं रखता, वह विश्वास के योग्य नहीं है।
जो

पद	सर्वनाम
भेद	संबंधवाचक सर्वनाम
पुरूष	अन्य पुरूष
लिंग	पुल्लिंग
वचन	एकवचन
कारक	कर्ता कारक
क्रिया के साथ संबंध	'रखता' क्रिया का कर्ता

अभ्यास के लिए प्रश्न

1- मैं कल ठीक नहीं था।
2. हम बाग में गए परन्तु वहाँ कोई आम नहीं मिला।
3. मैंने बहुतों को पढ़ाया।
4- खाने को कुछ दो।
5- ऐसा भी हो सकता है
6- घर में कौन आया है ?
7- कोई बाहर पुकार रहा है।
8- वह घर गया।

विशेषण – पद परिचय का उदाहरण

1- यह छात्र चतुर है

पद	चतुर
विशेषण भेद	गुणवाचक विशेषण
लिंग	स्त्रीलिंग
वचन	एकवचन

विशेष्य	'छात्रा' विशेष्य

2- इस संसार में सत्य की सदा जीत होती है।

पद	इस
विशेषण भेद	सार्वनामिक विशेषण
लिंग	पुल्लिंग
वचन	एकवचन
विशेष्य	'संसार' विशेष्य

अभ्यास के लिए प्रश्न

1- अच्छा व्यक्ति आज्ञाकारी होता है।
2- कक्षा में चार बच्चे बैठे हैं।
3- मुझे दो किलो आटा दे दो।
4- समारोह में कुछ लोग आए।
5- वह पुस्तक मेरे भाई की है।
6- मैं दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ।
7- किसी व्यक्ति ने उसकी रक्षा की।
8- वीर पुरूष सबकी प्रशंसा करते हैं।
9- थोड़ा दूध दे दो।
10- और लोग कहाँ गए ?

क्रिया – पद परिचय के उदाहरण

1- हम अपने देश पर मर मिटेंगे।

क्रिया पद	मर मिटेंगे
भेद	अकर्मक क्रिया
लिंग	पुल्लिंग
वचन	बहुवचन
काल	भविष्यत् काल
पुरूष	उत्तम पुरूष
वाच्य	कर्तृवाच्य
'हम' कर्ता की क्रिया	
प्रयोग	कर्तरि

2- माला पत्र लिखती है।

क्रिया पद	लिखती है

भेद	सकर्मक क्रिया
लिंग	स्त्रीलिंग
वचन	एकवचन
काल	वर्तमान काल
पुरूष	अन्य पुरूष
वाच्य	कर्तृवाच्य

कर्त्ता – माला तथा कर्म पत्र की क्रिया।

अभ्यास कार्य –

1- रमेश वहाँ दसवीं कक्षा में बैठा है।
2- कल हमने ताजमहल देखा।
3- हम देश पर सर्वस्व न्यौछावर करने को तैयार हो जाते हैं।
4- लंका के राजा रावण ने सीता को चुराया।
5- इस संसार में सत्य की जीत होती है।
6- परिश्रम के बिना धन प्राप्त नहीं होता।
7- किसी विद्वान से बातचीत करने से ही ज्ञान बढता है।

समुच्चय बोधक – पद परिचय के उदाहरण

1- वह आया और चला गया।
समुच्चयबोधक पद – और (समानाधिकारण समुच्चय बोधक पत्र)

मैं वहाँ इसलिए गया था कि तुम मिल जाते।

व्यधिकरण समुच्चयबोधक पद (इसलिए)

अभ्यास कार्य

1- मैंने पुस्तकें एवं कापियाँ खरीदी।
2- नरेंद्र दोपहर को दाल और चावल खाता है।
3- उसे मैंने बहुत समझाया किंतु वह नहीं माना।
4- छठा प्रश्न करो अथवा सातवाँ।
5- हमें अपनी सभ्यता और संस्कृति पर गर्व है।
6- तुम काम आज करो चाहे कल करो।
7- तुमने चाय पी या नहीं।

संबंध बोधक – पद परिचय के उदाहरण

अभ्यास कार्य –

1- वह बीमार होने के कारण दिल्ली न जा सका।
2- मेज़ के नीचे बिल्ली बैठी है।
3- मेरे घर के सामने बगीचा है।

4- वे मेरे साथ मुम्बई गये।
5- मेरे घर के पीछे सिनेमा हाल है।

विस्मयादिबोधक –

उदाहरण – आह : उपवन में सुन्दर फूल खिले है।

अभ्यास कार्य –

1. आह! कितना सुंदर उपवन है।

2. वाह! ताज देखो।

3. आह कितने सुंदर फूल खिले हैं।

4. अरे! मोहन को क्या हो गया।

5. वाह! कितने मजे की बात है।

6. अहा! डसने कितनी सुंदर कमीज पहनी है।

7. अरे! सूरज की रोशनी कितनी अच्छी लग रही है।

8. अरे! उसका नाम सुंदर है।

9 अहा! वर्षा हो रही हैं।

7 रचना के आधार पर वाक्य भेद

निम्नलिखित में से रचना के आधार पर वाक्य पहचानकर भेद का नाम लिखें –

1. वह छात्रा पढ़ी और स्कूल से चली गई।
2. मैंने उसे पढ़ाकर घर भेजा।
3. मैंने उस बच्चे को देखा, जो बीमार था।
4. मेरे विचार से अब घर चलें।
5. सीता गा रही है और नाच रही है
6. मैं कहानी पढ़ रही हूँ।
7. कमल खिला और भौंरे आए।
8. आप चाय पियेंगे या कॉफी ?

8 वाक्य परिवर्तन

निम्नलिखित संयुक्त वाक्यों को मिश्र वाक्य में बदलिए –

1. चोर दुकान का ताला तोड़ रहा था और पुलिस ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया।
2. सीता तबला लाई और उसे बजाने लगी।
3. चिड़िया पिंजड़ें में बंद है और वह दाना चुग रही है।
4. वह मेहनती है, अतः वह पराजय स्वीकार नहीं करता।
5. उसने निरन्तर परिश्रम किया और उसे परीक्षा में सफलता मिला।
6. मेरे आँगन में हरी घास है और उस पर बच्चे खेल रहे हैं।
7. पाकिस्तान ने कारगिल में घुसपैठ की और भारत ने उसे करारी मात दी।

8. बादल आकाश में छा गए और शीतल पवन बहने लगी।
9. शेर दिखाई दिया और लोग डरने लगे।
10. मोहल्ले में शोर हुआ और सब लोग बाहर आ गए।

निम्नलिखित मिश्र वाक्यों को संयुक्त वाक्यों में बदलिए –

1. चूँकि वह अपराधी था, इसलिए उसे सजा मिली।
2. जब शीला बाजार गई तो पुस्तक खरीद लाई।
3. जैसे ही बादल घिर आए, वैसे ही वर्षा होने लगी।
4. जब मैं अकेला था तब चार गुंडों ने मुझे बहुत पीटा।
5. जैसे ही सभा समाप्त हुई, वैसे ही सब लोग चले गए।
6. जब प्रश्न हल हो गए तब छात्रों ने काम बंद कर दिया।
7. जब विद्यालय का समारोह समाप्त हुआ, तब सब घर चले गए।
8. जब महामहिम राष्ट्रपति का आगमन हुआ, तब राष्ट्रगान शुरू हो गया।
9. जब शिक्षक कक्षा में आए, तब छात्रों ने पढ़ना शुरू कर दिया।
10. जब दो दिन वह गाँव में रहा, त बवह सबका प्रिय हो गया।

मिश्र वाक्य –

मुझे विश्वास है कि वह दीपावली पर अवश्य आएगा। (आश्रित उपवाक्य छाँटिए)

1. तुम नहीं जाओगे, मैं नहीं जानता था। (आश्रित उपवाक्य छाँटिए)
2. राम ने कहा कि हम लड़ाई नहीं चाहते। (आश्रित उपवाक्य छाँटिए)
3. जिसे आप ढूँढ रहे थे, वह मैं नहीं था। (आश्रित उपवाक्य छाँटिए)
4. जैसा आप ने बताया, मैंने वैसा किया। (आश्रित उपवाक्य छाँटिए)
5. मैं चाहती हूँ कि तुम डॉक्टर बना। (आश्रित उपवाक्य का नाम बताओ)
6- मुझे एक व्यक्ति मिला, जो बहुत पढ़ा–लिखा था। (आश्रित उपवाक्य का नाम बताओ)
7 जो व्यक्ति मृदुभाषी होता है, उसे सभी चाहते हैं। (आश्रित उपवाक्य का नाम बताओ)
8 रहीम बोला कि मैं कल हैदराबाद जा रहा हूँ। (आश्रित उपवाक्य का नाम बताओ)
9 वह पुस्तक कौन–सी है, जो आपको बहुत पसंद है। (आश्रित उपवाक्य का नाम बताओ)

वाक्य रचनांतरण

प्र01. निम्न सरल वाक्यों को संयुक्त वाक्यों में बदलिए –

1. आज सुबह उठकर उसने दूध पिया।
2. मेरे समझाने पर वह बात मान गई।
3. थैला उठाकर लाला जी दुकान की ओर चले।
4. मैंने उसे पढ़ाकर नौकरी दिलवाई।
5. मोहन हिंदी पढ़ने के लिए शास्त्री जी के यहाँ गया है।
6. आप अंदर बैठ कर देर तक बातें कीजिए।
7. छिपकर बैठी बिल्ली चूहे के आने की प्रतीक्षा करने लगी।
8. सरस्वती ने नहाकर पूजा की।
9. नेता भाषण देकर चला गया।
10. धनी होने पर भी नारायण कंजूस है।

प्र02. निम्न संयुक्त वाक्यों को मिश्र वाक्यों में बदलें –

1. प्रीति आई थी परंतु रुपए नहीं दे गई।
2. सुबह हुई और चिड़ियाँ चहचहाने लगीं।
3. घूमने चलना है इसलिए तैयार हो जाओ।
4. डसने मुझे देखा और भाग गया।
5. बरह बजे और मैं सो गया।
6. वह आएगा और तुम छिप जाना।
7. हमें तैरना था इसलिए हम नदी गए थे।
8. मीरा ससुराल चली गई पर वहाँ खुश नहीं है।
9. वर्षा हुई और पक्षी चहचहाने लगे।
10. मोहन गाँव गया और वहाँ बीमार पड़ गया।

प्र03. निम्न मिश्र वाक्यों को सरल वाक्यों में बदलें –

1. ऐसा काम करो जिसमें फायदा हो।
2. वह ऐसे चल रही थी जैसे कोई बीमार चलता हो।
3. जिसने परिश्रम किया वह सफल हो गया।
4. वे सफल होते हैं, जो साहसी होते हैं।
5. जो कुछ था उसने खो दिया।
6. मैं जानता हूँ कि तुम गरीब हो।
7. जिनके पास टिकट नहीं है, वे बस से उतर जाएँ।
8. पिता जी ने माँ से कहा कि वे भी गंगा–स्नान को चलें।
9. जो झूठ बोलता है उसे कोई प्यार नहीं करता।
10. वह पत्र नहीं लिख पाता क्योंकि व्यस्त रहता है।

9 मुहावरे –

वाक्य प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट कीजिए–

1. चिकना घड़ा होना। 2. विरह की आग में जलना। 3. फूँक से पहाड़ उड़ाना। 4. झोंपड़ी में फूल खिलना। 5. अन्तिम पूँजी होना। 6. नौसिखिया होना। 7. मुँह में पानी भर आना। 8. ज्ञान –चक्षु खुल जाना। 9. आग–बबूला होना। 10. थू–थू करना। 11. हुड़दंग मचाना। 12. पाथेय बनना। 13. मन की मन में रह जाना। 14. काल के बस मे होना। 15. मिट्टी के मोल बिकना। 16. अपना उल्लू सीधा करना। 17. आग में घी डालना। 18. आस्तीन का साँप। 19. अपने मुँह मियाँ मिठ्ठू बनना। 20. आटे–दाल का भाव मालूम होना। 21. आँसू पी कर रह जाना। 22. उड़ती चिड़िया पहचानना। 23. ऊँट के मुँह में जीरा। 24. क्लेजे पर साँप लोटना। 25. कठपूतली होना। 26. गुड़ गोबर कर देना। 27. गुदड़ी का लाल होना। 28. नाक पर मक्खी न बैठने देना। 29. रंगा सियार होना।

लोकोक्तियाँ –

शुद्ध वाक्य द्वारा अर्थ स्पष्ट कीजिए–

1. अधजल गगरी छलकत जाय। 2. आ बैल मुझे मार। 3. कहाँ राजा भोज, कहाँ गँगू तेली। 4. का बरखा जब कृशि सुखाने। 5. गंगा गये गंगादास, जमुना गये जमुनादास। 6. नाच न जाने आगँन टेढ़ा। 7. नेकी कर दरिया में डाल। 8. हाथ कंगन को आरसी क्या। 9. होनहार बिरवान के होत चीकने पात। 10. चार दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को उपयुक्त मुहावरों से पूरा कीजिए–

1. न्यायाधी **श** ने फैसला सुनाते समय दूध..... कर दिया।
2. उसकी हरकतों को देखकर मैं पहले ही समझ गया था.....।
3. नौजवान बेटे के मरते ही बूढ़े बाप पर दुखों का.....।
4. बड़ी मुद्दत के बाद मिले हो भाई, तुम तो बस..... हो गये हो।
5. तुम तो व्यर्थ में उसे समझाकर अपना समय नश्ट करते हो, वह तो.....।
6. परीक्षा में फेल हो जाने से भयाम पहले ही दुखी है, उसका मजाक उड़ाकर क्यों उसके..... छिड़क रहे हो।
7. भारत–पाक संघर्श में भारतीय सेना ने सभी मोर्चों पर पाकिस्तनी सेना के.....।
8. सेठ जी आजकल दुकान पर नहीं बैठते, अव य..... है।
9. यहाँ किस पर **विश्वास** किया जाये, छोटे–बड़े सब एक ही.....है।
10 मंथरा कैकयी को भड़का कर.....।

10 अलंकार –

अनुप्रास अलंकार –

1 काली लहर <u>कल्पना काली</u> मेरी <u>काल कोठरी काली।</u>

2 गहरे कजरारे बादल बरसे धरती पर।
3 जीवन में है सुरंग सुधियाँ सुहावनी।
4 मिटा मोदु मन भये मलीन।
5 कूकी–कुकी केकी कलित, कुंजन करत कलोल।

यमक अलंकार –

1. रती–रती **शोभा** सब रति के सरीर की।
2. थारा पर पारा पारावार यों हलत है।
3. खगकुल कुलकुल–सा बोल रहा।
4. ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवाली, ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहती है।
5. जगती–जगती की मूक प्यास।

श्लेष अलंकार –

नवजीवन दो **घनश्याम** हमे।

1. पी तुम्हारी मुख बास तरंग , आज बौरि भौरे सहकार।
2. जेतो नीचो हवै चलै तेतो ऊँचो होए।
3. चिरजीवो जोरी जुरै क्यों न सनेह गंभीर ,को घटि ये वृशभानुजा वे हलधर के बीर।
4. तुमने अंजाने वह पीड़ा , छवि के सर से दूर भगा दी।
5. मंगन को देख पट देत बार–बार हैं।

उपमा एवं रूपक अलंकार –

1. मेरे अतंर में आते ही, देव निरंतर हर जाते हो व्यथा–भार ।
2. रावनु रथी विरथ रघुवीरा।
3. भानु बंस राकेस कंलंकू, निपट निरकुंसु अबुधु असंकू।
4. उदधि दधि को सो अधिकाइ उमगे अमंद।
5. गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में खो चुका होता है।
6. बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से कि जैसे धुल गर्द है।
7. युग नेत्र उनके जो अभी थे, पूर्ण जल की धार स`अब रोश के मारे हुए वे दहकते अंगार से।
8. बल विवेक दम परहित धोरे। छमा कृपा समता रजु जोरे।

9. इतना रोया था मैं उस दिन, ताल–तलैया भर गये सारे।
10. सुनहुँ रात जेहि सिवधनु तोरा। सहेसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
11. वस्त्र और आभूशण **शाब्दिक** भ्रमों की तरह बंधन है स्त्री जीवन के।
12. यह देखिए अरविन्द से **शिशुवृन्द** कैसे सो रहे है।

उत्प्रेक्षा अलंकार –

1. मिटा मोदु मन भए मलीने। विधि निधि दीन्ह लेत जनु छीने।।
2. पदमावती सब सखी बुलाई, मनु फुलवारी सबै चलि आई।।
3. खिला हो ज्यों बिजली का फूल, मेघवन बीच गुलाबी रंग।
4. जान पड़ता नेत्र देख बड़े–बड़े, हीरकों में गोल नीलम है जड़े।
5. लट–लटकनि मनु मत्त मधुपगन मादक मधुहिं पिए।

मानवीकरण अलंकार –

1. जोड़कर कण–कण कृपण **आकाश** ने तारे सजाए।
2. सागर के उर पर नाच–नाच करती है लहरें मधुर गान।
3. कई दिनों तक चूल्हा रोया चक्की रही उदास।
4. अंबर पनघट में डूबो रही ताराघट उशा नागरी।
5. मेघमय आसमान से उतर रही है
   वह संध्या सुंदरी परी–सी धीरे–धीरे।

खण्ड–घ

अर्थबोध (कविता)

निम्नलिखित काव्यांशों **को पढ़कर पूछे गए** प्रश्न **के उत्तर दीजिए–**

1 पद– सूरदास

ऊधौ, तुम हो अति बड़भागी।

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।

पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।

ज्यौं जल माहॅ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।

प्रीति–नदी मैं पाउॅ न बोर्‌यौ, दृष्टि न रूप परागी।

'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चॉटी ज्यौं पागी।।

(क) गोपियों ने उद्‌धव को 'बड़भागी' क्यों कहा ?

(ख) कमल और जल का उदाहरण देकर गोपियॉ उद्‌धव जी से क्या कहना चाहती हैं ?

(ग) गोपियों ने अपने प्रेम की तुलना किससे की है और क्यों ?

(घ) यह किस काल की रचना है?

(ड.) यह पद किस भाषा में रचित है?

2 राम–लक्ष्मण– परशुराम संवाद– तुलसीदास

सुनि कटु बचन कुठार सुधारा। हाय हाय सब सभा पुकारा।।

भृगुबर परसु देखाबहु मोही। बिप्र बिचारि बचौं नृपद्रोही।।

मिले न कबहूँ सुभट रन गाढ़े। द्विजदेवता घरहि के बाढ़े।।

अनुचित कहि सबु लागु पुकारे। रघुपति सयनहि लखनु नेवारे।।

लखन उतर आहुति सरिस भृगुबरकोपु कृसानु।

बढ़त देखि जल सम बचन बोले रघुकुलभानु।।

(क) सारी सभा 'हाय! हाय!' क्यों पुकार उठी ?

(ख) 'द्विजदेवता घरहि के बाढ़े' –कहकर लक्ष्मण क्या कहना चाहते हैं ?

(ग) लक्ष्मण के उत्तर से परशुराम जी को क्या हुआ ?

(घ) रघुकुल के सूर्य किसे कहा गया और उन्होंने क्या किया ?

(ड.) राम ने लक्ष्मण को नेत्र संकेत से क्यों रोका?

(3) सवैया– देव

पॉयनि नूपुर मंजु बजैं, कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई।

सॉवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बनमाल सुहाई।

माथे किरीट बड़े दृग चंचल, मंद हॅसी मुखचंद जुन्हाई।

जै जग–मंदिर–दीपक सुंदर, श्रीब्रजदूलह 'देव' सहाई।।

(क) प्रस्तुत सवैया किसके द्वारा रचित है ?

(ख) कवि ने 'श्रीब्रजदूलह' शब्द किसके लिए प्रयोग किया है ?

(ग) सवैये के आधार पर बाल कृष्ण के सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(घ) किसे संसार रूपी मंदिर का दीपक कहा गया है तथा क्यों ?

(4) आत्मकथ्य– जयशंकर प्रसाद

मधुप गुन–गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,

मुरझाकर गिर रहीं पत्तियॉ देखो कितनी आज घनी।

इस गंभीर अनंत–नीलिमा में असंख्य जीवन–इतिहास

यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य–मलिन उपहास

तब भी कहते हो–कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती

तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे–यह गागर रीति।

(क) कवि किसके माध्यम से अपनी जीवन–कथा कह रहा है ?

(ख) कवि ने जीवन की तुलना पतझड़ से क्यों की है ?

(ग) प्रस्तुत **काव्यांश** में **मनुष्य** की किस प्रवृत्ति की ओर संकेत किया गया है ?

(घ) 'गागर रीती' से क्या तात्पर्य है ? कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?

(5) उत्साह, अट नहीं रही है– निराला

बादल, गरजो!–

घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!

ललित ललित, काले घुँघराले,

बाल कल्पना के–से पाले,

विद्युत–छबि उर में, कवि, नवजीवन वाले!

वज्र छिपा, नूतन कविता

फिर भर दो–

बादल, गरजो!

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

(ख) कवि किसका आह्वान कर रहा है और क्यों ?

(ग) आकाश में फैले हुए बादल कैसे लग रहे हैं ?

(घ) 'विद्युत–छबि उर में'–भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(6) यह दंतुरित मुसकान,. फसल– नागार्जुन

. फसल क्या है ?

और तो कुछ नहीं है वह

नदियों के पानी का जादू है वह

हाथों के **स्पर्श** की महिमा है

भूरी–काली–संदली मिट्टी का गुण धर्म है

रूपांतर है सूरज की किरणों का

सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का!

(क) . फसल उपजाने के लिए आवश्यक तत्व कौन–कौन से हैं ?

(ख) 'नदियों के पानी का जादू' क्यों कहा गया है ?

(ग) मिट्टी की विशेषता को प्रकट करने के लिए कौन–कौन से विशेषण लिए गए है तथा क्यों ?

(घ) फसल के उगने में मनुष्य के हाथों की क्या महिमा है?

(ड.) 'रूपांतर है सूरज की किरणों का' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(7) छाया मत छूना– गिरिजा कुमार माथुर

दुविधा–हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं,

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चॉद खिला शरद–रात आने पर,

क्या हुआ जो खिला फूल रस–बसंत जाने पर ?

जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण,

(क) 'दुविधा–हत साहस है' –से क्या तात्पर्य है ?

(ख) वसंत बीत जाने के बाद यदि फूल खिलता है तो मनुष्य को क्या करना चाहिए?

(ग) मनुष्य अपने सुखद भविष्य का चयन कैसे कर सकता है ?

(घ) व्यक्ति को रास्ता क्यों नहीं दिखाई देता?

(ड.) कवि क्या भूलने की बात कहता है?

(8) कन्यादान–ऋतुराज

मॉ ने कहा पानी में झॉककर

अपने चेहरे पर मत रीझना

आग रोटियॉ सेंकने के लिए है

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन हैं स्त्री जीवन के

मॉ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

(क) मॉ ने बेटी से क्या कहा ?

(ख) वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह स्त्री–जीवन के बंधन क्यों माने गए ?

(ग) मॉ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसी मत दिखाई देना ?

(घ) आग के बारे में मॉ क्या बताती है?

(9) संगतकार– मंगलेश डबराल

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ

आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ

तभी मुख्य गाायक को ढ़ॉढस बॅधाता

कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

कभी–कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊॅचा न उठाने की जो कशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

(क) कवि तथा कविता का नाम बताइए।

(ख) संगतकार किस प्रकार मुख्य गायक–गायिकाओं की मदद करते हैं ?

(ग) संगतकार के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं और क्यों ?

(घ) छंद की दृष्टि से यह कविता कैसी है?

विषय– वस्तु संबंधी प्रश्न –

1 पद

1- 'उधौ तुम हौ अति बड़भागी' में किन लोगों पर व्यंग्य है? सूर का इसके द्वारा क्या संदेश है ?
2. सूरदास प्रेम भक्ति के समर्थक थे – सिद्ध कीजिए।
3- सूर के पदों में किन विचारधाराओं में संघर्ष दिखाई देता है? कैसे?
4- क्या वास्तव में गोपियॉ उद्धव को भाग्यशाली मानती है ? पहले पद के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
5. योग साधना को व्याधि क्यों कहा गया है ?

6- गोपियों ने यह क्यों कहा कि हरि अब राजनीति पढ़ आए हैं ? क्या आपको गोपियों के इस कथन का विस्तार समकालीन राजनीति में नजर आता है ?– स्पष्ट कीजिए।

7 'तै क्यों अनीति करैं आपुन जे और अनीति छुड़ाए' का आशय स्पष्ट कीजिए।

8 गोपियों ने अपने वाक्–चातुर्य के आधार पर ज्ञानी उद्धव को परास्त कर दिया, उनके वाक्– चातुर्य की विशेषताएं लिखिए।

2. राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद

1- प्रस्तुत कविता से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

2- **परशुराम** के फरसु की क्या विशेषताएं है?

3. लक्ष्मण अपने कुल की कौन सी परम्परा पर गर्व करता है?

4- इस पूरे प्रसंग में व्यंग्य का अनूठा सौंदर्य है। उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

5 लक्ष्मण और **परशुराम** के संवाद का जो अंश आपको सबसे अच्छा लगा, उसे अपने शब्दों में संवाद शैली में लिखिए।

5- क्रोध का शमन किस प्रकार संभव है ? राम चरित्र के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

6. साहस और भाक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है। इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

3. सवैया, कवित्त–1,2

1. देव के सवैयों से कैसी संतुश्टि मिलती है?
2. देव की कवित्तों का क्या मूल्य है?
3. देव दरबारी कवि थे – उदाहरण दीजिए।
4- आप अपने घर की छत से पूर्णिमा की रात दिखिए, तथा उसके सौंदर्य को अपनी कलम से शब्दबद्ध कीजिए।
5. 'ग्लोबल वार्मिंग' के कारण ऋतुओं में क्या परिवर्तन आ रहे हैं ? इस समस्या से निबटने के लिए आपकी क्या भूमिका हो सकती है ?

4 आत्मकथ्य

1 'आत्मकथ्य' के आधार पर 'प्रसाद' जी की जीवन–यात्रा के बारे में बताइए।

2 'आत्मकथ्य' में कवि क्या कहना चाहता है?

3 कोई भी अपनी आत्मकथा लिख सकता है। उसके लिए विशिष्ट या बड़ा होना जरूरी नहीं है। उदाहरण देकर सिद्ध कीजिए।

4 हमें आत्म–प्रवंचना, झूठे आडंबरों से बचना चाहिए। कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

5 उत्साह

1- 'उत्साह' कविता का उद्देश्य व संदेश स्पष्ट करें।
2. कवि ने बादलों को 'अनंतधन' क्यों कहा है ?
3. 'उत्साह' कविता में बादल के माध्यम से नई कविता की ओर क्या संकेत किया गया है ?

5 अट नहीं रही है

1- 'अट नहीं रही है' में फागुन मास की शोभा का वर्णन कीजिए।
2. होली के आस–पास प्रकृति में जो परिवर्तन दिखाई देते हैं, उन्हें लिखिए।
3- कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि प्रकृति का सान्निध्य मनुष्य को अवसाद मुक्त कर सक्रिय बनाता है।
4- वसंत ऋतु का नैसर्गिक सौंदर्य मनुष्य की संवेदनशीलता को प्रभावित करता है। पठित कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

6 यह दंतुरित मुसकान,

1. बच्चे की मुसकान और एक बड़े व्यक्ति की मुसकान में क्या अंतर है?
2- शिशु कब अनिमेश देखने लगता है? उसकी मनःस्थिति का वर्णन करें।
3- मिट्टी के गुणधर्म को आप किस तरह परिभाषित करेंगे?
4- वर्तमान जीवन शैली मिट्टी के गुणधर्म को किस–किस तरह प्रभावित करती है?
5. 'दंतुरित मुसकान' से बच्चे की उम्र का अनुमान लगाइए और तर्क सहित उत्तर दीजिए।
6. कविता में कवि स्वयं को प्रवासी, इतर और अतिथि क्यों कहता है ?
7- नन्हें शिशु की मुसकान पत्थर हृदय को भी पिघलाकर पानी बना सकती है। स्पष्ट कीजिए।
8. वर्तमान जीवन शैली मिट्टी के गुण–धर्म को किस–किस तरह प्रभावित करती है?

7 छाया मत छूना

1- 'छाया मत छूना' कविता का मूल संदेश क्या है? स्पष्ट करें।
2- कवि गिरिजाकुमार को वैभव और यश क्यों अस्वीकार्य है?
3. 'दुविधा हत साहस है दिखता है पंथ नहीं' का भावार्थ क्या है?
4- मृगतृषणा किसे कहते हैं तथा कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है ?
5. 'विगत के सुखों की कल्पना से चिपके रहने का क्या परिणाम होता है ?
6. मनुष्य दुविधग्रस्त कब हो जाता है तथा उसका क्या बुरा परिणाम उसे भोगना पड़ता है ?

8 कन्यादान

1- 'कन्यादान' कविता का संदेश स्पष्ट करें।
2. नारी जीवन के सुख और दुख क्या हैं?

3. आपकी दृश्टि में कन्या के साथ 'दान' की बात करना कहॉ तक उचित है ?'
4. वर्तमान सामाजिक व्यवस्था में स्त्रियों की स्थिति क्या है ? अपने विचार लिखिए।
5- 'पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की'–के द्वारा कवि कन्या की किन चारित्रिक विशेषताए को बताना चाहता है ?
6- कवि ने समाज में नारी से जुड़ी किन समस्याओं को उठााया है, 'कन्यादान' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

9 संगतकार

1- संगतकार कविता का मूल उद्देश्य या संदेश क्या है?
2. संगतकार की प्रतीकात्मकता को समझाइए।
3- किसी भी क्षेत्र में संगतकार की पंक्ति वाले प्रतिभावान होते हुए भी मुख्य या शीर्ष स्थान पर क्यों नहीं पहुँच पाते होंगे ?
4. आप अपने जीवन में मुख्य गायक अथवा कलाकार की भूमिका निभाना चाहेंगे या संगतकार की ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

सराहना संबंधी प्रश्न

निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्न के उत्तर दीजिए–

(1) पद

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।

समुझी बात कहत मधुकर के, समाचर सब पाए।

इक अति चतुर हुते पहिलें ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।

बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग–सँदेस पठाए।

ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।

अब अपने मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।

ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।

राज धरम तो यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए।।

(क) प्रस्तुत पद किस भाषा में रचा गया है ?

(ख) 'मधुकर' कहकर किसे संबोधित किया गया है ?

(ग) अनुप्रास अलंकार छॉटकर लिखिए।

(घ) गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए ?

(ङ) 'हरि राजनीति जान गए हैं–गोपियॉ ऐसा क्यों कहती है ?

(2) राम–लक्ष्मण– परशुराम संवाद

सुनि कटु बचन कुठार सुधारा। हाय हाय सब सभा पुकारा।।

भृगुबर परसु देखाबहु मोही। बिप्र बिचारि बचौं नृपद्रोही ।।

मिले न कबहूँ सुभट रन गाढ़े। द्विजदेवता घरहि के बाढ़े।।

अनुचित कहि सबु लोगु पुकारे। रघुपति सयनहि लखनु नेवारे।।

लखन उतर आहुति सरिस भृगुबरकोपु कृसानु।

बढ़त देखि जल सम बचन बोले रघुकुलभानु।।

(क) प्रस्तुत पद कहॉ से उद्घृत है ?

(ख) 'जल सम बचन बोले रघुकुलभानु'–कौन–से दो अलंकार है ?

(ग) अंतिम दो पंक्तियों में कौन–सा छंद है ?

(घ) काव्यांश की भाषा बताइए।

(ङ) पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार तथा अनुप्रास अलंकार का उदाहरण काव्यांश में से छॉटकर लिखिए

(3) कवित्त

डार द्रुम पलना बिछौना नव पल्लव के,

सुमन झिंगूला सोहै तन छबि भारी दै।

पवन झूलावे, केकी–कीर बतरावें 'देव',

कोकिल हलावे–हुलसावे कर तारी दे।।

पुरित पराग सों उतारो करै राई नोन,

कंजकली नायिका लतान सिर सारी दै।

मदन महीप जू को बालक बसंत ताहि,

प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै।।

(क) यह किस काल की रचना है ?

(ख) काव्यांश में किस ऋतु का चित्रण है तथा किस रूप में ?

(ग) छंद का नाम लिखिए।

(घ) दो भिन्न अलंकार बताइए।

(4) आत्मकथ्य

छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ?

क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ?

सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म–कथा ?

अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

(क) प्रस्तुत काव्यांश की भाषा कौन–सी है और कैसी है ?

(ख) प्रस्तुत गीत किस प्रकार का है ?

(ग) काव्यांश के आधार पर काव्यगत विशेषता बताइए ?

(घ) अनुप्रास अलंकार छाँटकर लिखिए ?

(ङ) यह काव्यांश किस शैली में रचित है ?

(5) उत्साह

विकल विकल, उन्मन थे उन्मन

वि व के निदाघ के सकल जन,

आए अज्ञात दि ाा से अनुत के घन!

तप्त धरा, जल से फिर

भीतल कर दो–

बादल, गरजा!

(क) काव्यांश किस भाषा में रचा गया है ?

(ख) तत्सम भब्द छॉटकर लिखिए।

(ग) काव्यांश किस शैली में रचितत है ?

(घ) यह गीत किस प्रकार का है ?

(ङ) एक काव्य–पंक्ति छॉटकर उसमें निहित अलंकार का नाम भी लिखिए।

(6) अट नहीं रही है

कहीं सॉस लेते हो,

घर–घर भर देते हो,

उड़ने को नभ में तुम

पर–पर कर देते हो,

ऑख हटाता हूँ तो

हट नहीं रही है।

पत्तों से लदी डाल

कहीं हरी कहीं लाल,

कहीं पड़ी है उर में

मंद–गंध–पुश्म–माल,

पाट–पाट भाोभा–श्री

पर नहीं रही है।

(क) प्रस्तुत काव्यांश में किस पर्व का चित्रण किया गया है ?

(ख) काव्यांश में किस भाषा का प्रयोग हुआ है ?

(ग) काव्यांश में प्रयुक्त भाषा की विशेषता बताइए ?

(घ) अलंकार छॉटकर लिखिए।

(ङ) काव्यांश की काव्यगत विशेषता बताइए।

(7) यह दंतुरित मुस्कान

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान

मृतक में भी डाल देगी जान

धूलि–धूसर तुम्हारे ये गात.....

छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात

परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,

पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाशाण

(क) प्रस्तुत काव्यांश किस कवि द्वारा रचित है ?

(ख) काव्यांश में किन भावनाओं का चित्रण हुआ है ?

(ग) प्रस्तुत काव्यांश की भाषा कौन–सी है ?

(घ) 'धूलि–धूसर' में कौन–सा अलंकार है ?

(ङ) चौथी पंक्ति में कौन–सा अलंकार है ?

(8) छाया मत छूना

य श है या न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का भारण–बिंब केवल मृगतृषणा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन–

छया मत छुना

मन होगा दुख दूना।।

(क) ' मृगतृषणा का प्रयोग काव्यांश में किस अर्थ में हुआ है ?

(ख) 'छाया' किसका प्रतीक है ?

(ग) काव्यांश की भाषा की सबसे बड़ी विशेषता क्या है ?

(घ) तत्सम शब्द चुनकर लिखिए।

(ङ) 'प्रभुता का शरण–बिंब केवल मृगतृषणा पंक्ति के माध्यम से क्या विशेष बात की गई है ?

(9) संगतकार

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज सुंदर कमजोर कॉपती हुई थी

वह मुख्य नायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिशतेदार

मुख्य गायक की गरज में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लॉघकर

चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में

जब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है

जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन

जब वह नौसिखिया था

(क) प्रस्तुत काव्य–पंक्तियों में किसकी भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाला गया है ?

(ख) कविता हम पर क्या प्रभाव डालती है ?

(ग) काव्यांश में कौन–सा भाव तथा रस है ?

(घ) कविता कौन–से काल की है ?

(ङ) 'नई कविता' धारा की विशेषता क्या है ?

(ङ) 'नई कविता' धारा की विशेषता क्या है ?

अर्थबोध (गद्य)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नोंके उत्तर लिखिए।

(1) नेताजी का चश्मा

सोचा, आज वहॉ रूकेंगे नहीं, पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ़ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रूकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे।

लेकिन आदत से मजबूर ऑखें चौराहा आते ही मूर्ति की तरफ़ उठ गई। कुछ ऐसा देखा कि चीखे रोको! जीप स्पीड में थी, ड्राइवर ने जोर से ब्रेक मारे। रास्ता चलते लोग देखने लगे। जीप रूकते–न–रूकते हालदार साहब जीप से कूदकर तेज–तेज कदमों से मूर्ति की तरफ लपके और उसके ठीक सामने जाकर अटेंशन में खड़े हो गए।

मूर्ति की ऑखों पर सरकंडे से बना छोटा–सा चश्मा रखा हुआ था, जैसे बच्चे बना लेते हैं। हालदार साहब भावुक हैं। इतनी–सी बात पर उनकी ऑखें भर आई।

(क) प्रस्तुत **गद्यांश** में किसकी बात की जा रही है ?

(ख) हालदार साहब मूर्ति की तरफ क्यों नहीं देखना चाहते थे।

(ग) हालदार साहब ने ऐसा क्या देखा जो चीख पड़े ?

(घ) हालदार साहब इतनी–सी बात पर भावुक क्यों हो उठे।

(2) बालगोबिन भगत

बालगोबिन भगत गाए जा रहे हैं! हाँ, गाते–गाते कभी–कभी पतोहू के नज़दीक भी जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते। आत्मा–परमात्मा के पास चली गई, भला इससे बढ़कर आनंद की कौन बात ? मैं कभी–कभी साोचता, यह पागल तो नहीं हो गए। किंतु नहीं, वह जो कुछ कह रहे थे, उसमें उनका विश्वास बोल रहा था–वह चरम विश्वास, जो हमेशा ही मृत्यु पर विजयी होता आया है।

(क) पतोहू क्यों रो रही थी ?

(ख) भगत जी उसे उत्सव मनाने की क्यों कहते हैं ?

(ग) लेखक भगत जी के बारे में क्या सोचते हैं ?

(घ) लेखक को भगत जी की बातों पर विश्वास क्यों हुआ ?

(3) लखनवी अंदाज

हम गौर कर रहे थे, खीरा इस्तेमाल करने के इस तरीके को खीरे की सुगंध और स्वाद की कल्पना से संतुष्ट होने का सुक्ष्म, नफीस या एब्स्ट्रेक्ट तरीका जरूर कहा जा सकता है, परंतु क्या ऐसे तरीके से उदर की तृप्ति भी हो सकती है ?

नवाब साहब की ओर से भरे पेट के ऊँचे डकार का शब्द सुनाई दिया और नवाब साहब ने हमारी ओर देखकर कह दिया, 'खीरा लजीज होता है लेकिन होता है सकील, नामुराद मेदे पर बोझ डाल देता है।'

ज्ञान–चक्षु खुल गए! पहचाना–ये हैं नई कहानी के लेखक!

(क) लेखक ने किस तरीके को शिष्टता और कोमलता का तरीका कहा है और क्यों?

(ख) खीरे की विशेषता, तथा उससे होने वाली परेशानी का उल्लेख कीजिए ?

(ग) 'ज्ञान–चक्षु खुल गए'–लेखक ने ऐसा क्यों कहा ?

(4) मानवीय करुणा की दिव्य चमक

फादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है। उनको देखना करुणा के निर्मल जल में स्नान करने जैसा था और उनसे बात करना कर्म के संकल्प से भरना था। मुझे 'परिमल' के वे दिन याद आते हैं, जब हम सब एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे जैसे थे, जिसके बड़े फादर बुल्के थे। हमारे हँसी–मजाक में वह निर्लिपत शामिल रहते, हमारी गोष्ठियों में वह गंभीर बहस करते, हमारी रचनाओं पर बेबाक राय और सुझाव देते और हमारे घरों के किसी भी उत्सव और संस्कार में वह बड़े भाई और पुरोहित जैसे खड़े हो हमें अपने आशीषों से भर देते।

(क) फादर को देखकर तथा बातचीत कर लेखक को क्या अनुभव होता था ?

(ख) लेखक को 'परिमल' के दिन क्यों याद आते थे ?

(ग) फादर बुल्के को बड़े भाई और पुरोहित के समान क्यों कहा गया ?

(5) एक कहानी यह भी

होश सँभालने के बाद से ही जिन पिता जी से किसी–न–किसी बात पर हमेशा मेरी टक्कर ही चलती रही, वे तो न जाने कितने रूपों में मुझमें हैं.....कहीं कुँठाओं के रूप में, कहीं प्रतिक्रिया के रूप में तो कहीं प्रतिच्छाया के रूप मे। केवल बाहरी भिन्नता के आधार पर अपनी परंपरा और पीढ़ियों को नकारने वालों को क्या सचमुच इस बात का बिलकुल अहसास नहीं होता कि उनका आसन्न अतीत किस कदर उनके भीतर जड़ जमाए बैठा रहता है! समय का प्रवाह भले ही हमें दूसरी दिशाओं में बहाकर ले जाए.....स्थितियों का दबाव भले ही हमारा रूप बदल दे, हमें पूरी तरह उससे मुक्त तो नहीं ही कर सकता!

(क) लेखिका की अपने पिता से टक्कर क्यों होती थी ?

(ख) हमें किस बात का अहसास नहीं होता ?

(ग) हम किससे मुक्त नहीं हो पाते और क्यों ?

(6) स्त्री–शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन

इससे अधिक भयंकर बात और क्या हो सकेगी! यह सब पापी पढ़ने का अपराध है। न वे पढ़तीं, न वे पूजनीय पुरुषों का मुकाबला करतीं। यह सारा दुराचार स्त्रियों को पढ़ाने ही का कुफल है। समझे। स्त्रयों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरुषों के लिए

पीयूष का घूंट! ऐसी ही दलीलों और दृष्टांतों के आधार पर कुछ लोग स्त्रियों को अपढ़ रखकर भारतवर्ष का गौरव बढ़ना चाहते हैं।

(क) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने किस प्रकार के लोगों पर व्यंग्य किया है ?

(ख) जो व्यक्ति स्त्री–शिक्षा के विरोधी हैं, वे क्या तर्क तथा उदाहरण देते हैं ?

(ग) स्त्रियों को अशिक्षित रख कर क्या भारत का गौरव बढ़ा सकते हैं ?तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(7) नौबतखाने में इबादत

1– शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खॉ साहब अस्सी बरस से सुर मॉग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पॉचों वक्त वाली नमाज इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखों सजदे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। वे नमाज के बाद सजदे में गिड़गिड़ाते हैं–'मेरे मालिक, एक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि ऑखों से सच्चे मोती की तरह अनपढ़ ऑसू निकल आऍ। उनको यकीन है, कभी खुदा यूँ ही उनपर मेहरबान होगा और अपनी झोली से सुर का फल निकालकर उनकी ओर उछालेगा, फिर कहेगा, ले जा अमीरुद्दीन इसको खा ले और कर ले अपनी मुराद पूरी।

(क) बिस्मिल्ला खॉ ने ईश्वर से सदा क्या मॉगा ?

(ख) उन्हें क्या विश्वास था ?

(ग) प्रस्तुत अवतरण के आधार पर खॉ साहब की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

2. इस दिन खॉ साहब खड़े होकर शहनाई बजाते हैं व दालमंडी में फातमान के करीब आठ किलोमीटर की दूरी तक पैदल रोते हुए, नौहा बजाते जाते हैं। इस दिन कोई राग नहीं बजता। राग–रागिनियों की अदायगी का निशेध है इस दिन।

उनकी ऑखें इमाम हुसैन और उनके परिवार के लोगों की भाहादत में नम रहती हैं। अजादारी होती है। हजारों ऑखें नम। हजार बरस की परंपरा पुनर्जीवित। मुहर्रम संपन्न होता है। एक बड़े कलाकार का सहज मानवीय रूप ऐसे अवसर पर आसानी से दिख जाता है।

(क) किस दिन खॉ साहब खड़े होकर शहनाई बजाते थे ?

(ख) इस दिन राग–रागिनियॉ क्यों नहीं बजाई जातीं ?

(ग) एक बड़े कलाकार का कौन–सा रूप प्रकट होता है?

(8) संस्कृति

हमारी समझ में मानव संस्कृति की जो योग्यता आग व सुई–धागे का आविष्कार कराती है, वह भी संस्कृति है, जो योग्यता तारों की जानकारी कराती है? वह भी है और जो योग्यता किसी महामानव से सर्वस्व त्याग कराती है, वह भी संस्कृति है।

और सभ्यता ? है–संस्कृति का परिणाम। हमारे खाने–पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने पहनने के तरीके, हमारे गमना–गमन के साधन, हमारे परस्पर कट मरने के तरीके; सब हमारी सभ्यता है। मानव की जो योग्यता उससे आत्म– विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? और जिन साधनों के बल पर वह दिन–रात आत्म–विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता ? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा ?

(क) किसे–किसे संस्कृति कहा जा सकता है ?

(ख) सभ्यता किसे कहा गया ?

(ग) मानव की जो योग्यता उससे आत्म– विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहेंगे या असंस्कृति ?

विषय वस्तु विचार \ संदेश (गद्य)

1. नेताजी का चश्मा

1- लेखक ने कस्बे का वर्णन किस प्रकार किया है ?

2- कैप्टन मूर्ति पर बार–बार **चश्मा** क्यों लगा देता था ?

3- मूर्ति पर सरकंडे का **चश्मा** क्या उम्मीद जगाता है ?

4 हालदार साहब **चश्मे** वाले की **देशभक्ति** के प्रति क्यों नतमस्तक थे?

5 नेताजी की मूर्ति को देखकर क्या याद आने लगता था?

6 हम सभी कैसे अपने दैनिक कार्यों से किसी–न किसी रूप में अपने **देश**–प्रेम को प्रकट कर सकते हैं ?

7 जब तक हालदार साहब ने कैप्टन को साक्षात् देखा नहीं था, तब तक उनके मानस पटल पर उसका कौन–सा चित्र रहा होगा, अपनी कल्पना से लिखिए।

8 नेता जी की मूर्ति को **चश्मे** के बगैर देखकर लेखक को बुरा क्यों लगा ?

9 नेताजी का चश्मा कहानी का संदेश लिखिए।

10 हालदार साहब ने मूर्ति को कब और कैसे देखा ?

11 नेता जी का चश्मा कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

12 मूर्ति में किस चीज की कमी थी, जो आँखों को खटकती थी ?

13 कैप्टन को नेता जी की मूर्ति से बार–बार क्षमा याचना क्यों करनी पड़ती थी ?

14 कस्बे में नेताजी की मूर्ति देखने के बाद सोच–विचार करके हालदार किस निष्कर्ष पर पहुँचे ?

15 कौन सी बात पान वाले के लिए मज़ेदार किन्तु हालदार साहब के लिए चकित तथा द्रवित करने वाली थी ?

16 क्या लेखक स्वयं प्रकाश जी ' नेता जी का चश्मा' कहानी लिखकर अपने उद्देश्य में सफल हुए ? अपने विचार दीजिए।

2. बालगोबिन भगत

1. बालगोबिन भगत किसके पद गाते थे और क्यों?
2. बालगोबिन भगत की पुत्रवधू कैसी थी?
3. कार्तिक मास से फाल्गुन मास तक बालगोबिन भगत सुबह के समय में क्या करते थे?

4- **अषाढ़** में बालगोबिन भगत के संगीत का जादू सबपर क्या–क्या प्रभाव डालता था ? चित्रण कीजिए।

5. मोह और प्रेम में अंतर होता है। भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर इस कथन को सच सिद्ध करेंगे ?
6. इस पाठ में जो ग्राम्य संस्कृति की झलक मिलती है, उसका उल्लेख कीजिए।

7 लेखक ने बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरमोत्कर्ष कब देखा ?

8 बालगोबिन भगत अपनी पुत्रवधू का विवाह क्यों करना चाहते थे ? ऐसा करना उनकी किस दूरदर्शिता का परिचायक है ?

9 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर बताएँ कि लेखक को समाज का घृणित स्वरूप किन बातों में नज़र आता है ?

10 "गर्मी की उमस भरी संध्याएँ भी भगत के स्वरों को निढाल नहीं कर पाती थीं" इस कथन के आलोक में भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखें।

11 बलगोबिन भगत मोह को नहीं प्रेम को महत्त्व देते थे 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर सिद्ध करें।

3. लखनवी अंदाज

1. लेखक सेकण्ड क्लास के डिब्बे में यात्रा क्यों कर रहा था?
2. लेखक ने नवाब की असुविधा और संकोच के लिए क्या अनुमान लगाया?
3- बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है? यशपाल के इस विचार से आप कहॉ तक सहमत हैं?
4- लेखक ने लखनऊ स्टेशन पर खीरा बेचने वालों की किस विशेषता को प्रकट किया ?
5. खीरा खाने से इंकार करने पर लेखक को अफसोस क्यों हो रहा था ?
6. 'लखनवी अंदाज' कहानी के माध्यम से लेखक ने किस वर्ग की प्रवृत्ति पर कटाक्ष किया है ?

8 लेखक खीरा इस्तेमाल करने के किस तरीके पर गौर कर रहे थे ?

9 लखनवी अंदाज' नामक व्यंग्य हमें क्या संदेश देता है ?

10 ऐसी किसी सनक का उल्लेख करते हुए बताइए कि क्या सनक का कोई सकारात्मक रूप हो सकता है ?

4. मानवीय करुणा की दिव्य चमक

1. आपके विचार से बुल्के ने भारत आने का मन क्यों बनाया होगा?
2. फादर बुल्के ने संन्यासी की परंपरागत छवि से अलग एक नई छवि प्रस्तुत की है। कैसे?
3. फादर बुल्के भारतीय संस्कृति के एक अभिन्न अंग हैं, किस आधार पर ऐसा कहा गया है?

4. फादर बुल्के एक संन्यासी थे, परंतु पारंपरिक अर्थ में हम उन्हें संन्यासी क्यों नहीं कह सकते ?
5. फादर का हिन्दी के प्रति किस प्रकार का लगाव था तथा उन्होंने हिंदी की सेवा के लिए क्या कार्य किए ?
6. लेखक ने फादर बुल्के को 'यज्ञ की पवित्र आग' क्यों कहा है ?
7. फादर बुल्के की मृत्यु के समय लोगों का मन दुखों से भरा था, उन्होंने अपनी श्रद्धांजलि किस प्रकार दी ? उदाहरण दीजिए।

5. एक कहानी यह भी

1- शीला अग्रवाल का लेखिका के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा?
2. किन कारणों से लेखिका के मन में हीन भावना पैदा हो गई थी?
3- इस आत्मकथ्य के आधार पर स्वाधीनता आन्दोलन के **परिदृश्य** का चित्रण करते हुए उसमें मन्नू जी की भूमिका को रेखांकित कीजिए।
4- मॉ में इतनी **विशेषताएं** होते हुए भी लेखिका अपनी मॉ को अपना **आदर्श** क्यों नहीं बना सकी ?
5. वह कौन–सी घटना थी, जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी ऑखों पर वि वास हो पाया और न अपने कानों पर ?
6- लेखिका की अपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने **शब्दों**में लिखिए।
7. छात्र के जीवन में अध्यापक का क्या महत्त्व है ?
8. वर्तमान प्लैट कल्चर में हम अपने आप को असुरक्षित कैसे पाते हैं ?
9- लेखिका का अपने पिता से वैचारिक टकराव का क्या कारण था ?
10. आज़ाद हिन्द फौज द्वारा कालेज के छात्रों का आह्वान क्यों किया गया ?
11. भारत देश महान विषय पर अपने विचार व्यक्त करें।

6. स्त्री–शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन

1. प्राचीनकाल में पांडित्य में परिपूर्ण किन स्त्रियों का उल्लेख लेखक ने किया है?
2- तब की **शिक्षा** प्रणाली और अब की **शिक्षा** प्रणाली में क्या अंतर है?
3- 'स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होते हैं'–कुतर्कवादियों की इस दलील का खंडन द्विवेदी जी ने कैसे किया है? अपने **शब्दों** में लिखिए।
4- किन–किन दलीलों और **दृष्टांत** के आधार पर कुछ लोग स्त्रियों को अपढ़ रखना चाहते हैं ?
5- तब की **शिक्षा** प्रणाली और अब की **शिक्षा** प्रणाली में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिए।
6. महावीर प्रसाद द्विवेदी का निबंध उनकी दूरगामी और खुली सोच का परिचायक है–कैसे ?

7- शिक्षा प्रणाली में संशोधन करते समय किन बातों पर ध्यान दिया जाना आवशयक होगा ?

8. परंपरा के उन्हीं पक्षों को स्वीकार किया जाना चाहिए जो स्त्री पुरूष समानता को बढ़ाते हैं – तर्क सहित उत्तर दीजिए।

9. द्विवेदी जी सीता तथा शकुंतला के कटु वचनों को उचित क्यों ठहराते हैं ?

10. स्त्री–शिक्षा के विरोधी कैसी दलीलें तथा दृष्टांत देकर स्त्री–शिक्षा का विरोध करते हैं ?

11. महावीर प्रसाद द्विवेदी का निबन्ध उनकी दूरगामी खुली सोच का परिचायक है कैसे ?

7. नौबतखाने में इबादत

1- 'फटा सुर न बक्शें। लुंगिया का क्या है, आज फटी है, तो कल सी जाएगी।'–आशय स्पष्ट कीजिए।

2. बिस्मिल्ला खॉ मिली–जुली संस्कृति के प्रतीक थे। सिद्ध कीजिए।

3. पाठ में आए किन प्रसंगों के आधार पर आप कह सकते हैं कि 'वे वास्तविक अर्थों में सच्चे इन्सान थें'।

4. पाठ में आए किन प्रसंगों के आधार पर आप कह सकते हैं कि बिस्मिल्ला खॉ मिली–जुली संस्कृति के प्रतीक थे ?

5. बिस्मिल्ला खॉ कला के अनन्य उपासक थे, तर्क सहित उत्तर दीजिए।

6 अमीरूद्दीन किसका नाम था ? उसका जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

7 बिस्मिल्ला खाँ कितनी बार नमाज पढ़ते थे और नमाज के बाद सजदे में क्या गिड़गिड़ाते थे ?

8 काशी में सब कुछ एकाकार कैसे हो गया है ?

9 नौबतखाने में इबादत पाठ में कौन–कौन से विभिन्न रागों के नाम आए हैं।

10 काशी में उस समय संगीत आयोजन की क्या परंपरा थी ?

11 बिस्मिल्लाह खाँ को क्या–क्या शौक थे ?

12 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के कथ्य पर प्रकाश डालिए।

13 'नौबतखाने में इबादत' पाठ से हमें क्या संदेश मिलता है ?

14 हमारे संगीत में शहनाई वाद्य को समृद्ध करने में काशी (वाराणसी) का क्या योगदान है?

15 अपने मनपसंद संगीतकार के बारे में अनुच्छेद लिखिए।

16 काशी भारत के किस प्रांत में है। उसकी प्रसिद्धि के कारण बताते हुए काशी के प्रमुख दर्शनीय स्थलों के नाम लिखिए।

17 बिस्मिल्ला खां के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके जीवन में शहनाई के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

18 बिस्मिल्ला खाँ को हम किन–किन बातों के लिए याद रखेंगे ?

8. संस्कृति

1. आग की खोज एक बहुत बडी खोज क्यो मानी जाती हैं? इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्त्रोत क्या रहे होंगें ?
2. न्यूटन को सस्कृंत मानव कहने के पीछे कौन से तर्क दिये गए हैं? न्यूटन द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तो एवं ज्ञान की कई दूसरी बारीकियों को जानने वाले लोग भी न्यूटन की तरह संस्कृत नही कहला सकते क्यो ?
3. संस्कृति कब असंस्कृति में बदल जाती हैं ?
4. भौतिक प्रेरणा और ज्ञानेप्सा क्या ये ही दो मानव संस्कृति के माता–पिता है ?
5. संस्कृत व्यक्ति की संतान के संबंध में लेखक का क्या विचार है?
6- मानव की जो योग्यता उससे आत्म–विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है। हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति?

7 किन महत्वपूर्ण आवशयकताओं की पूर्ति के लिए सुई–धागे का आविष्कार हुआ होगा?

8 संस्कृति पाठ के आधार पर संस्कृति और सभ्यता के संदर्भ में लेखक का दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।

9 लेखक के अनुसार संस्कृति असंस्कृति कब बन जाती है और उसका क्या परिणाम होता है ?

10 हमारी सभ्यता का अंश कैसे लोगों से मिलकर बना है ?

11 संस्कृति का अर्थ समझाइए।

12 लेखक ने सबसे बड़े आविष्कर्ता की संज्ञा किसे दी है तथा किस उदाहरण द्वारा इसे स्पष्ट किया गया है ?

13 संस्कृति पाठ के वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।

14 लेखक द्वारा लेनिन के संबंध में दिया विचार स्पष्ट कीजिए।

15 संस्कृति पाठ के आधार पर कर्मण्य और अकर्मण्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

16 'मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है और उसमें जितना अंश कल्याण का है वह अकल्याणकर की अपेक्षा श्रेष्ठ ही नहीं स्थायी भी है।' क्या आप लेखक के इस कथन से सहमत हैं – अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

17 विज्ञान के युग में नए–नए अस्त्र–शस्त्रों की खोज हो रही है। क्या इनके आविष्कारक संस्कृत व्यक्ति कहे जा सकते हैं – स्पष्ट कीजिए।

18 संस्कृति पाठ में संस्कृत मानव के संदर्भ में न्यूटन के विचार स्पष्ट कीजिए।

19 लेखक भदंत आनंद कौसल्यायन ने आज के ज्ञान का प्रथम पुरस्कर्ता किसे कहा है ?

कृतिका (निबंधात्मक एवं लघु उत्तरात्मक)

1. माता का अँचल

1 'माता का अँचल' पढ़ते समय आपको भी अपने माता–पिता का लाड़–प्यार याद आ रहा होगा– अपनी इन भावनाओं को लिखिए।

2' माता का अँचल' में बच्चों की जो दुनिया रची गई है वह आपके बचपन की दुनिया से किस प्रकार भिन्न है?

3 बाबूजी भोलानाथ को खाना खिलाते थे, फिर भी मॉ को संतुष्टि क्यों नही थी?

4 तिवारी जी ने बैजू और भोलानाथ को गुरुजी से क्यों पिटवाया?

5 विपदा के समय बच्चा पिता के पास न जाकर मॉ के पास ही क्यों जाता है? अपनी राय के अनुसार लिखिए। भोलानाथ द्वारा माँ के आँचल में छिप जाने पर माँ की मनोदशा का वर्णन कीजिए।

2. जार्ज पंचम की नाक

1. नाक मान–सम्मान व प्रतियठा का द्योतक है। यह बात पूरी तरह व्यंग्य रचना में किस तरह उभर कर आई है? लिखिए।
2. जार्ज पंचम की नाक लगने वाली खबर के दिन अखबार चुप क्यों थे?
3. 'नई दिल्ली में सब था.....सिर्फ नाक नहीं थी'। इस कथन के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता था।
4. बच्चों की नाक भी जार्ज पंचम की नाक से बड़ी थी– लेखक ने ऐसा क्यों कहा?
5- इस व्यंग्य में औपनिवेशिक दौर की मानसिकता और विदेशी आकर्षण पर गहरी चोट की गई है, कैसे?
6. नाक किस बात का द्योतक है? जॉर्ज पंचम की लाट पर नाक लगवाने के माध्यम से लेखक क्या कहना चाह रहा है?
7. सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिन्ता या बदहवासी दिखाई देती है वह उसकी किस मानसिकता को दर्शाती है ?
8. आज की पत्रकारिता में चर्चित हस्तियों के पहनावे और खान–पान संबंधी आदतों का वर्णन होता है, पत्रकारिता का यह रूप युवा पीढ़ी को किस तरह प्रभावित करता है ?
9. जॉर्ज पंचम की नाक का कथ्य क्या है ?
10. जॉर्ज पंचम की नाक लगने वाली खबर के दिन अखबार चुप क्यों थे ?
11. रानी एलिजाबेथ के दरजी की परेशानी का क्या कारण था ? उसकी परेशानी को आप किस तरह तर्कसंगत ठहराऐंगे।
12. जॉर्ज पंचम की नाक लगाने के लिए क्या–क्या प्रयास किए गए ?

3. साना–साना हाथ जोड़ि

1. प्रकृति के उस अनंत और विराट स्वरूप को देखकर लेखिका को कैसी अनुभूति होती होती है?
2- कभी **श्वेत** तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग–अलग अवसरों की ओर संकेत करता है?
3. आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह खिलवाड़ किया जा रहा है?इसे किस प्रकार रोका जा सकता है?
4. सैलानियों को प्रकृति की अलौकिक छटा का अनुभव करवाने में किन–किन लोगों का योगदान होता है?
5- **हिमशिखरों** को जल–स्तंभ क्यों कहा गया है? 'साना–साना हाथ जोड़ि'– पाठ के आधार पर बताइए।
6. औरतों को मेहनत करते देख लेखिका के मन में उनके प्रति कैसे–कैसे भाव उत्पन्न हुए?
7. 'कटाओ' क्या है? इसके बारे में जानकारी दीजिए।

8. घुमक्कड़ी हमें 'स्व' की संकीर्णता से कैसे मुक्त करती है? पाठ के आधार पर बताइए।

4. एही ठैयॉ झुलनी हेरानी हो रामा

1. भारत के स्वाधीनता आंदोलन में दुलारी और टुन्नू ने अपना योगदान किस प्रकार दिया?
2. एही ठैयॉ झुलनी हेरानी हो रामा! का प्रतीकार्थ समझाइए।
3- दुलारी और टुन्नू के प्रेम के पीछे उनका कलाकार मन और उनकी कला थी, यह प्रेम दुलारी के दे श –प्रेम तक कैसे पहुॅचता है?
4. हमारी आजादी की लड़ाई में समाज के उपेक्षित माने जाने वाले वर्ग का योगदान भी कम नहीं रहा है। इस कहानी में ऐसे लोगों के योगदान को लेखक ने किस प्रकार उभारा है?
5. कजली दंगल जैसी गतिविधियों का आयोजन क्यों हुआ करता होगा? कुछ और परम्परागत लोक आयोजनों का उल्लेख कीजिए।
6- संपादक ने यह क्यों कहा कि श र्मा द्वारा लिखी रिपोर्ट सच है, पर छप नहीं सकती?

5. मैं क्यों लिखता हूॅ

1 एक संवेदनशील युवा नागरिक की हैसियत से विज्ञान का दुरुपयोग रोकने में

आपकी क्या भूमिका है?

2 'मैं क्यों लिखता हूॅ' पाठ के लेखक के अनुसार अनुभव और अनुभूति में क्या अंतर है?

3 भीतरी विव श ता क्या होती है? लेखक ने इसे स्पष्ट करने के लिए किसकी चर्चा

की?

4 लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती है, क्यों?

4 हिरोशिमा में लेखक ने प्रत्यक्ष सब कुछ देखा, फिर भी लेखक कुछ नहीं लिख पाए, क्यों?

5 किस घटना ने लेखक के अंतर्मन को झकझोर कविता लिखने के लिए विवश किया?

6 कृतिकार हमेशा क्या भेद बनाए रखता है?

खण्ड–घ

अर्थबोध (कविता)

संकेत विन्दु–

1–ऊधौ----------ज्यों पागी ॥

क)– प्रेम के धागे में नहीं बधे थे । व्यंग्य है । 2

ख)–कृष्ण सरोवर में प्रेमजल के साथ रहने पर भी हृदय में प्रेम भावना का कण मात्र भी नहीं। 2

ग)– चींटी और गुण से, एकोन्मुख प्रेम की अभिव्यक्ति । 2

घ)– भक्तिकाल । 1

ड)– साहित्यिक ब्रजभाषा । 1

2–सुनि कटु----------रघुकुलभानु ॥

क)–लक्ष्मण के कड़वे बचन सुन कर जब परसुराम ने फरसा सभाला । 2

ख)–ब्राह्मण देवता आप घर पर ही बढ़े हुए हैं । 2

ग)–क्रोधाग्नि बढ़ने लगी । वे फरसा सँभालने लगे । 2

घ)–श्री रघुनाथजी , वे जल के समान शीतल बचन बोले । 2

ड)–लक्षमण का परशुराम के प्रति अनुचित वाणी को सुनकर । 2

3–पायनि नूपुर----------देव सहाई ॥

क)– देव । 1

ख)– श्रीकृष्ण । 1

ग)– पैर में पैजनी , कमर में करधनी ,साँवले शरीर पर पीला वत्र, गले में वैजन्ती की माला तथा मष्तक पर मुकुट सुशोभित है । 2

घ)– श्रीकृष्ण , सौन्दर्य मुख रूपी दीपक का प्रकाश सर्वत्र परिलक्षित हो रहा है । 2

4–मधुप गुन–गुना----------गागर रीति ।

क)–भ्रमर के गुंजार के माध्यम से । 1

ख) कवि का यौवनकालीन रसभरा दिन समाप्त हो चुका है । 2

ग)–दूसरों के कष्ट में प्रसन्नता का अनुभव । 2

घ)–गागर रूपी हृदय में प्रेम जल का अभाव । आज कवि का जीवन नीरस हो चुका है । 2

5– बादल गरजो!– ----------बादल गरजो ।

क)–सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला , 'उत्साह' | 2

ख)–बादल पीड़ित प्यासे जन की आकांक्षा को पूरा करने वाला है । 2

ग)–काले–काले घुघराले जो अतीव सुन्दर लग रहे हैं । 2

घ)–हृदय में बाल कल्पना के समान बिजली का चित्र बसा लिया हो । 2

6)–फसल क्या है ----------थिरकन का ।

क)–जल,श्रम, माटी तथा सूर्य की किरणें । 2

ख)–प्रकृति का सहयोग फसल के लिए आवश्यक है । 2

ग)–भूरी, काली सन्दली,क्योकि फसल उगाने के लिए अनेक प्रकार की माटी की आवश्कता पड़ती है । 2

घ)–मानव श्रम से ही फसल सम्भव है । 2

ड)–फसल के उगाने में सूर्य के किरणों की नितांत आवश्यकता पड़ती है । 2

7)–दुविधा– हत----------भविष्य वरण ॥

क)– साहस रहते हुए भी दुविधाग्रस्त रहना । 1

ख)– स्वीकार कर लेना चाहिए , निराश नहीं होना चाहिए । 2

ग)–असफलता को भूलकर । 1

घ)–क्योंकि साहस होते हुए भी व्यक्ति दुविधाग्रस्त है । 2

ड)–सफलता प्राप्त न कर पाने की दुखद पीड़ा । 2

8)–माँ ने कहा----------मत देना ।

क)– वस्त्र आभूषणों पर नहीं रीझना, हिम्मत से जूझना । 2

ख)–क्योंकि वस्त्र एवं आभूषणों के प्रलोभन में स्त्रियाँ विवश होकर जुल्म सहती हैं । 2

ग)–लड़कियाँ जुल्म सहती हैं , आत्महत्या के लिए विवश हो जाती हैं । 2

घ)–आग पर रोटियाँ बनाई जाती हैं, आत्महत्या के लिए नहीं । यह कायरता है । 2

9)–तारसप्तक में ----------जाना चाहिए ।

क)–मंगलेश डबराल–संगतकार । 2

ख)–संगतकार अपनी आवाज देकर उसका गायन प्राणवान बना देता है । वह उसे अकेलेपन का अहसास नहीं होने देता । 2

ग)–नायक की सफलता में अनेक लोगों की भूमिका होती है । प्रत्येक का अपना–अपना महत्व है । सामने न आना कमजोरी नहीं मानवीयता है । 2

घ)–मुक्तक छंद । 1

विषय वस्तु (कविता)

1–पद

1)–उधौ तथा कृष्ण के सहयोगियों पर व्यग्य है क्योंकि कृष्ण के समीप हैं लेकिन कृष्ण प्रेम में आबद्ध नहीं हैं । 3

2)–उद्धव कभी स्नेह के धागे में बधे होते तो वे बिरह की वेदना को अनुभूत अवश्य कर पाते । 3

3)–निर्गुण और सगुण । उद्धव जी निर्गुण के समर्थक थे जबकि गोपियाँ सगुण की ।

4)–यह एक तीखा व्यंग्य है, कृष्ण के समीप रहकर भी उनके प्रेम में आबद्ध नहीं हो सके । 3

5)–गोपिकाएँ सगुणोपासक थी । कृष्ण के प्रति उनका एकोन्मुख प्रेम था । योगसाधना निर्गुण था । 3

6)–कृष्ण उद्धव द्वारा निर्गुण ब्रह्म का उपदेश दिलाकर अपना पीछा छुड़ाना चाहते हैं । आज के राजनीति में भी नेता ऐसे ही कुछ आश्वासन देकर मुकर जाते हैं । 3

7)–श्रीकृष्ण को अन्याय नहीं करना चाहिए जबकि हम लोगों के साथ अन्याय कर रहें हैं । उन्हें ब्रज आना चाहिए । 3

8)–जल मध्य कमल फिर भी जल से भीगता नहीं ,तेल की गागरी आदि के माध्यम से गोपियाँ उद्धव को परास्त कर देती हैं । 3

2–राम–लक्षमण –परसुराम संवाद

1)–सहनशील बने , अपमान सूचक शब्दों से वंचित रहें,विनय एवं नम्रता क्रोधाग्नि को नष्ट कर देता है । 3

2)–बहुत तेज, प्रताप से गर्भ का बालक भी नष्ट हो जाता था । 3

3)–देवता, ब्राह्मण ,भगवन भक्त एवं गायों पर वीरता नहीं दिखाते । 3

4)–फूँक कर पहाड़ पहाड़ उड़ाना, कोहड़े की फली को तर्जनी दिखाना आदि व्यंगों का प्रयोग । 3

5)–छात्र स्वयं पढ़े ।

6)–विनय एवं नम्रता की वाणी क्रोधाग्नि को भी शांत कर देती है । 3

7)–चरित्र उदात्त कहलाता है । विनम्र व्यक्ति ही बिना शस्त्र के शत्रुओं को पराजित कर सकता है। 3

3–सवैया, कवित्त–1,2

1)–रूप–सौन्दर्य का आलंकारिक चित्रण , प्रकृति के प्रति कवि के भावों की अंतरंग अभिव्यक्ति, तथा कृष्ण के राजसी सौन्दर्य का वर्णन । 3

2)–दार्शनिकता तथा प्रकृति के सथ रागात्मक सम्बन्ध । 3

3)–औरगंजेब के पुत्र आजमशाह , खेरा, नरेश , उद्योतसिंह, कुशल सिंह आदि के यहाँ दरबारी कवि थे । 3

4)–छात्र स्वयं अनुभव के आधार पर लिखें । 3

5)–मौसम में परिवर्तन , असमय वर्षा,तापमान का अधिक होना । जलवायु पर अधिक ध्यान देना होगा । 3

4)–आत्मकथ्य

1)–जीवन निराशा के आवरण में घिरा था । जीवन में सूनापन , प्रेम का सर्वथा अभाव , व्यथा मौन है, कहानी कहने में असमर्थ । 3

2)–जीवन के अभाव एवं यथार्थपूर्ण पक्ष की अभिव्यक्ति करना चाहता है । 3

3)–प्रत्येक व्यक्ति के जीवन की कथा सामान्य व्यक्ति के जीवन की कथा जैसा ही होता है । 3

4)– जिसका अहसास कवि को हुआ है । व्यक्ति को झूठे आडम्बरों में नहीं आना चाहिए । 3

5)–उत्साह

1)–पीड़ित–प्यासे जन की आकांक्षा को पूरा करने वाला तथा नई कल्पना और नए अंकुर के लिए विध्वंस, विप्लव और क्रांति चेतना को सम्भव करने वाला । 3
2)–उनकी संख्या अनन्त है तथा पीड़ित प्यासे की आकांक्षा को पूरा करने वाला है। 3
3)–सामाजिक क्रांति या बदलाव में साहित्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है । 3

अट नहीं रही है

1)–सर्वत्र हरियाली छाई हुई है, वनप्रदेश सुगन्धित हो उठा है , भवरे फूलों पर गुंजार करने लगे हैं । मौसम बड़ा ही सुहावना हो गया है । 3
2)–ठंडक कम हो जाती है । आमों में बौर लग जाते हैं । बाग–वन पत्तों से लद जाते हैं । चारोतरफ हरियाली छा जाती है । 3
3)–लोग फाग गाने में मस्त हो जाते हैं । मन प्रसन्न हो जाता है। लोग मदमस्त हो जाते हैं । 3
4)–लोग होली गाने लगते हैं । आपसी विषमता को भूल कर आपस में मिलते हैं । 3

6)–यह दंतुरित मुसकान

1)–बच्चों में निश्चलता एवं स्वाभाविकता होती है जबकि बड़ों की मुस्कान में चातुर्य एवं व्यंजनाएँ होती है । 3
2)–जब वह पहचानता नहीं । भोलापन जैसी मन:स्थिति का पता चलता है । 3
3)–माटी का गुण उपजाऊ फसल उत्पन्न करता है । 3
4)–आज माटी में पहले जैसी तासीर नहीं है , परिणामत: अनुकूल फसल तैयार नहीं हो पा रही है । 3
5)–छह माह, दाँत तो चार माह के बाद ही आना प्रारम्भ होता है । 3
6)–कवि बच्चे से दूर था , कुछ दिनों के लिए आया था ,पालन–पोषण माँ करती थी । 3
7)–नन्हें शिशु की मुस्कान में वात्सल्य झलकता है , एक अजीब अल्हड़पन होता है । शीतलता होती है । 3
8)–जल,मृदा प्रदूषण एवं कीटनाशक दवाइयों का प्रयोग करके । 3

7–छाया मत छूना

1) जीवन में सुख और दुख दोनों की उपस्थिति है । विगत के सुख को याद कर वर्तमान के दुख को और गहरा करना तर्कसंगत नहीं है । 3
2)–वैभव और यश अस्थिर है। 3
3)–साहस होते हुए भी दुविधाग्रस्त रहना । 3

4)–मृग का प्यासा होकर वन में भ्रमण करना । धन के लोभ में भटकने के अर्थ में । 3
5)–वर्तमान से पलायन की अपेक्षा । 3

8–कन्यादान

1)–स्त्री के परंपरागत आदर्श रूप से हटकर जीने की सीख। संघर्ष झेलने की शक्ति । 3
2)–वैवाहिक जीवन एवं माँ का साया सुख तथा विवाह के पश्चात मिलने वाली पीड़ा दुख । 3
3)–छात्र स्वयं लिखें ।
4)–स्त्रियों की स्थिति दृढ़ हुई है । काफी सुधार हुआ है । मनुष्यों के साथ कदम में कदम मिलाकर चल रही हैं। 3
5)–बुढ़ापे में लड़कियाँ सहारा होती हैं। माता–पिता के लिए जीने का आधार बनती हैं । 3
6) दहेज–प्रथा,लडकियों को प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए विवश कर देते हैं 3

9–संगतकार

1)–नायक की सफलता में अन्य लोगों का भी सहयोग होता है । 3
2)–सहयोग देने वाले ।
3)–यह उनकी मानवीयता होती है । वे प्रकाश में नहीं आना चाहते । 3
4)–छात्र अपने कल्पना के आधार पर लिखें । 3

संकेत बिन्दु

माता का अंचल

1) छात्र स्व–अनुभव से करें ।

2) गाँव–घर में उपलब्ध सामाग्री ही उनके खेल–कूद का सामान , आज कंप्यूटर , विडियो गेम,िक्रकेट , फुटबाल, बालीबाल , बास्केट बाल , बैडमिंटन आदि आधुनिक उपलब्ध सामाग्री ।

3) पिता की अपेक्षा माँ का बच्चे के प्रति अधिक लगाव होता है ।

4) तिवारी जी को चिढ़ाना शूरू कर दिया ।

5) माँ के आँचल में सुरक्षा शांति और सुकून मिलती है ।

जार्ज पंचम की नाक

1 महारानी एलिजाबेथ की भारत यात्रा, जार्ज पंचम के नाक की खोज,पूरा शासन – तंत्र बौखलाया हुआ, हर कीमत पर नाक लगाने का प्रयास , कमेटी गठित,मूर्तिकार की नियुक्ति, जिंदा नाक लगाकर समस्या का हल ।

2 महारानी एलिजाबेथ की भारत यात्रा, उनकी जीवनी,प्रिंस फिलिप के कारनामे,नौकरों , बावर्चियों, खानसामों , अंगरक्षकों की जीवनी से अखबार भरे पड़े थे, अन्य समाचार नगण्य ।

3 मौजूदा व्यवस्था, गुलामी मानसिकता ।

4 जार्ज पंचम की अपेक्षा भारतीय बच्चों का सम्मान , प्रतिष्ठा अधिक है ।

5 महारानी एलिजाबेथ की भारत यात्रा पर सरकारी तंत्र की बदहवासी, दूसरे के समक्ष अच्छा बनने की मानसिकता, अग्रेजों के प्रति वफादारी दिखाना ।

6 मान –सम्मान का द्योतक ,सरकारी हुक्मरानों की गुलामी मानसिकता, भारतीय शहीदों की श्रेष्ठता ।

साना– साना हाथ जोड़ि

1 अलौकिकता का अनुभव ।

2 शांति और अहिंसा का प्रतीक श्वेत पताकाएं , किसी बुद्धिष्ट की मृत्यु पर, रंगीन पताकाएं –नए कार्य की शूरूआत के लिए ।

3 पर्वत काटकर सड़क बनाना, प्रकृति और स्वयं में संतुलन बनाना , वनों की सुरक्षा ।

4 सरकार, वहाँ के आदिवासियों, गाइड, रास्तों के परिचितों ।

5 हिमशिखर सर्दियों मे बर्फ के रूप में जल संग्रह कर लेती हैं,गर्मियों में पिघलकर जलधार बन जाती हैं ।

6 स्वर्गीय सौंदर्य, नदी, फूलों वादियों और झरनों के बीच भूख, मौत , दैन्य और जिंदा रहने की जंग, मातृत्व और श्रम साधना साथ–साथ ।

7 हिंदुस्तान का स्विटजर लैंड ।

8 जीवन की दुविधाओं से कैसे बाहर निकला जाए ,इस बात का बोध ।

5 एही ठैयॉ झुलनी हेरानी हो रामा

1 दुलारी – विदेशी नई बंडल की धोती को विदेशी कपड़ों की होली जलाने वाली टोली को देना ,सरदार को झाड़ू दिखाकर भगाना । टुन्नू– विदेशी कपड़ों की होली जलाने वाली टोली का साथ देना ।

2 इसी स्थान पर अपना मान सम्मान खो दिया ।

3 सरदार को झाड़ू दिखाकर भगाना ,टुन्नू की मृत्यु पर टुन्नू की दी हुई खादी की धोती पहनकर गाने के माध्यम से सरकार पर व्यंग्य ।

4 दुलारी – विदेशी नई बंडल की धोती को विदेशी कपड़ों की होली जलाने वाली टोली को देना, सरदार को झाड़ू दिखाकर भगाना । टुन्नू– विदेशी कपड़ों की होली जलाने वाली टोली का साथ देना ।

5 मन बहलाव का साधन, समाज में जागरूकता लाने का प्रयास, एक–दूसरे से मिलने का सुअवसर। नट – गायन, नौटंकी,मंच अभिनय, लोकगीत, ढोल वाद्य आदि ।

6 संपादक का दोहरा चरित्र ।

6 मैं क्यों लिखता हूँ

1 पोलीथीन और प्लास्टिक के स्थान पर जूट से बनी वस्तुओं का प्रयोग । सभाओं, जुलुसों ,नाटकों के द्वारा जागरूकता लाना ।

2 अनुभव घटित होता है , अनुभूति संवेदना और कल्पना के सहारे उस सत्य को आत्मसात कर लेती है ।

3 भीतरी विवशता लेखन के लिए मजबूर करती है । जापान के हिरोशिमा शहर पर बमबारी के बाद उतपन्न विकराल स्थिति ।

4 अनुभव घटित होता है , अनुभूति संवेदना और कल्पना के सहारे उस सत्य को आत्मसात कर लेती है जो रचनाकार के सामने घटित नहीं हुआ ।

5 अनुभूति प्रत्यक्ष की कसर थी ।

6 जापान के हिरोशिमा शहर पर बमबारी के बाद उतपन्न विकराल स्थिति ने ।

7 कौन – सी कृति भीतरी प्रेरणा का फल है और कौन–सा लेखन बाहरी दबाब का ।